*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

स्वर्णिमा

हिंदी पाठ्य-पुस्तक

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

2

YBPL

स्वर्णिमा कक्षा-2

अध्याय-1

'बादल'

अभ्यासः (पेज 6)

1. (क) काले-काले बादल पानी बरसाते हैं।
   (ख) कवि वर्ज़ा में नहाना चाहता है।
   (ग) वर्ज़ा होने पर गरमी की नानी मर जाती है।

लिखिए–

2. (क) कवि बादलों से पानी बरसाने का आग्रह कर रहा है।
   (ख) वर्ज़ा होने पर चारों ओर ठंडक हो जाती है, जिससे गरमी कम हो जाती है।
   (ग) वर्ज़ा होने पर मौसम ठंडा हो जाता है।
   (घ) वर्ज़ा होने पर हम वर्ज़ा के पानी में नहाते हैं।
3. (क) पानी (ख) हैरानी (ग) नानी
4. (क) रिमझिम बरसो, रम-रम बरसो,
   धीरे-धीरे, थम-थम बरसो।
   (ख) ठंडा-ठंडा तन हो मेरा,
   ठंडा-ठंडा मन हो मेरा।
5. बादल, नानी, पानी, गरमी, तन, मन, ठंडा

भाज़ा-बोध-

1. (क) बादल = जलद, घन, मेघ (ख) पानी = जल, नीर, वारि
   (ग) तन = ष्टारीर, काया, देह (घ) वर्ज़ा = बरसात, बारिश
2. (क) बादल = आसमान में काले-काले बादल छाए हैं।
   (ख) हैरानी = अपने आँगन में मोर को देखकर मुझे बहुत हैरानी हुई।
   (ग) गरमी = मुझे गरमी का मौसम बहुत पसंद है।
   (घ) पानी = गरमी में हम ठंडा पानी पीते हैं।

* बच्चों के वाक्य ऊपर लिखे वाक्यों से अलग हो सकते हैं। अध्यापिका बच्चों की वाक्य रचना को ध्यान मेंरखते हुए ही वाक्यों को उचित मानें।

करके सीखिए–

* बच्चे चित्र में स्वयं रंग भरेंगे।
ऊपर से नीचे आते क्रम में– लाल, नारंगी, पीला, हरा, हल्का नीला, जामुनी, बैंगनी

अध्याय-2

'हमारा गाँव'

अभ्यासः (पेज 12)

1. (क) माधव अपनी दादी से मिलने उनके गाँव जा रहा था।
   (ख) माधव रेलगाड़ी से जा रहा था।
   (ग) गाँव में माधव को ए.सी. नहीं मिला था।
   (घ) पेड़ों की टहनियों पर झूले लटके थे।

लिखिए–

2.(क) घर के आस-पास पेड़ होने से सूर्य की गरमी को पेड़ों की घनी छाया रोक लेती है, जिससे घर की दीवारें गरम नहीं होतीं तथा घर ठंडा रहता है।

(ख) गाँव में इमारतें कम तथा हरियाली अधिक होती है इसलिए हवा ठंडी होती है।

(ग) शहरों में पेड़ों की कमी है इसलिए वहाँ ए.सी. या कूलर की आवश्यकता होती है।

(घ) माधव ने गाँव में खेत, मिट्टी के बरतन बनाता कुम्हार, पानी भरती औरतें और झूला झूलते बच्चे देखे थे।

(ङ) मुझे गाँव बहुत पसंद है क्योंकि वहाँ बहुत अधिक हरियाली होती है।

* बच्चों का उत्तर (ङ) भिन्न हो सकता है।

3. (क) गाँव (ख) बड़ा और हवादार (ग) इमारतें (घ) सुंदर बगीचा (ङ) पेड़ों की

4. (क) दादी ने (ख) माधव ने (ग) माँ ने (घ) दादी ने

5. (क) गति – चाल (ख) सूर्य – सूरज (ग) प्रसन्न – खुश (घ) इंतज़ार – प्रतीक्षा (ङ) वृक्ष – पेड़

6. (क) (*iii*) (ख) (*iv*) (ग) (*i*) (घ) (*v*) (ङ) (*ii*)

भाज़ा-बोध–

1. (क) खंभे (ख) गायें (ग) कमरे (घ) रेलगाड़ियाँ (ङ) दीवारें

2.

र	◌	◌	◌
घर	सूर्य	प्रणाम	ड्रम
अचार	पार्क	प्रसाद	राष्ट्र

करके सीखिए–

1. जहाँ भी होती है हरियाली,
   वहाँ होती है खुशहाली।

2. आओ मिलकर कसम खाएँ
   वृक्ष लगाकर सुख पाएँ।
   ''वृक्ष'' हैं धरती की शान
   सबके जीवन में लाते मुसकान।
   पक्षी इन पर घोंसले बनाते
   इंसानों के भी बहुत काम आते।
   इनको बचाने की कसम खाएँ
   आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ।

3. (क) लकड़ी (ख) फल (ग) फूल (घ) स्वच्छ हवा/छाया (ङ) दवाइयाँ/औज़धी

अध्याय-3

'स्वच्छता'

अभ्यास: (पेज 18)

1. (क) शरीर की स्वच्छता का अर्थ होता है, प्रतिदिन नहाना, साफ़ कपड़े पहनना, कंघी करना और नाखूनों को समय-समय पर काटते रहना।

(ख) हमें प्रतिदिन प्रात: उठने के बाद तथा रात को सोने से पहले मंजन करना चाहिए।

(ग) अधिक चॉकलेट और टॉफ़ी खाने से दाँतों में कीड़ा लग जाता है।

लिखिए–

2. (क) रवि इसलिए रो रहा था क्योंकि उसके दाँत में बहुत दर्द हो रहा था।
   (ख) रवि की माँ ने कहा कि तुम्हारे दाँत बहुत गंदे हो रहे हैं इसलिए ठीक से मंजन किया करो।
   (ग) दाँतों की सफ़ाई न करने से और चॉकलेट/टॉफ़ी अधिक खाने से दाँतों में कीड़े लग जाते हैं।
   (घ) दाँतों को स्वच्छ रखने के लिए हमें सुबह और शाम मंजन करना चाहिए।
   (ङ) रवि ने डॉक्टर अंकल से कहा कि वह उनकी कही बातों का हमेशा ध्यान रखेगा।
3. (क) दाँत (ख) मंजन (ग) प्रतिदिन (घ) स्वस्थ
   (ङ) दाँतों
4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗
   (ङ) ✓
5. (क) दर्द (ख) डॉक्टर (ग) दाँतों (घ) स्वस्थ
   (ङ) चॉकलेट
6. (क) विशेज़ – खास (ख) प्रतिदिन – हर दिन(ग) मैल – गंदगी (घ) बीमार – रोगी
   (ङ) हालत – दशा

भाज़ा-बोध–

1. (क) रात – रात्रि, निशा, रजनी (ख) माँ – माता, जननी
   (ग) बीमार – रोगी, अस्वस्थ (घ) शरीर – काया, बदन, तन, देह
2. (क) दाँत – दाँतों (ख) कीड़ा – कीड़े (ग) टॉफ़ी – टॉफ़ियाँ (घ) बात – बातें
3. (क) गंदे - साफ़ (ख) बीमार - तंदुरुस्त (ग) सफ़ाई - गंदगी (घ) स्वस्थ - अस्वस्थ

करके सीखिए–

1. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। (चित्र काटकर चिपकाएँ)
2. (क) सुबह समय पर उठना व भगवान की प्रार्थना करना।
   (ख) मंजन करने के बाद प्रतिदिन नहाना।
   (ग) सुबह का नाश्ता करना।
   (घ) माता-पिता और बड़ों का आशीर्वाद लेकर समय पर विद्यालय पहुँचना।

अध्याय-4

'मच्छर– हमारे शत्रु'

अभ्यास: (पेज 24)

1. (क) मच्छरों के काटने से बुखार हो जाता है।
   (ख) मलेरिया के मच्छर गंदे पानी में पैदा होते हैं।
   (ग) रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए।

लिखिए–

2. (क) मच्छर अपने डंक से हमारे शरीर में मलेरिया के कीटाणु छोड़ देते हैं। ये कीटाणु हमारे शरीर में भयानक बुखार पैदा कर देते हैं।
   (ख) मादा मच्छर सीलन वाली जगह में अपने अंडे देती हैं। एक सप्ताह में अंडे मच्छर बन जाते हैं। इस प्रकार मच्छर पैदा होते हैं।
   (ग) मच्छर डंक मारकर हमारे शरीर में कीटाणु छोड़ देते हैं।
   (घ) मच्छरों को मारने के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें व मच्छरदानी में सोएँ।
   (ङ) हम कमरे में मच्छरदानी और ऑल-आऊट का प्रयोग करेंगे।

3. (क) कीटाणु (ख) एक सप्ताह में (ग) गंदे पानी में (घ) इन दोनों का
(ङ) इन दोनों से

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓
(ङ) ✓

5. (क) मलेरिया (ख) इकट्ठा (ग) मच्छरों (घ) कीटनाशक
(ङ) मच्छरदानी

भाज़ा–बोध–

1. (क) हानि – लाभ (ख) मित्र – शत्रु (ग) स्वस्थ – अस्वस्थ
(घ) ज़्यादा – कम (ङ) सावधान – असावधान (च) रात – दिन

2. (क) मच्छर – मच्छरों (ख) जीव – जीवों (ग) कमरा – कमरे
(घ) कीटाणु – कीटाणुओं (ङ) दवा – दवाएँ (च) साधन – साधनों

3. (क) मलेरिया – मलेरिया के मच्छर गीले स्थानों तथा नाली में ठहरे पानी में अधिक रहते हैं।
(ख) मच्छर – मच्छर हमें बहुत हानि पहुँचाते हैं।
(ग) कीटाणु – मच्छर अपने डंक से मलेरिया के कीटाणु हमारे शरीर में छोड़ देते हैं।
(घ) सप्ताह – एक सप्ताह में सात दिन होते हैं।
(ङ) गड्ढा – सड़क के बीचों-बीच एक गड्ढा है।
* विद्यार्थियों के वाक्य ऊपर लिखे वाक्यों से अलग हो सकते हैं।

करके सीखिए–

(क) हम कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करेंगे।
(ख) गड्ढों को मिट्टी और पत्थरों से भर देंगे।

अध्याय-5

'सवेरा'

अभ्यास: (पेज 28)

1. (क) रात बीत जाने पर सवेरा आता है।
(ख) धूप निकलने पर छाया सिमटती है।
(ग) हरी दूब पर ओस की बूँदें चमकती हैं।

लिखिए–

2. (क) पंछी सवेरा होने पर चहकने लगते हैं।
(ख) सवेरा होने पर बेलें महकने लगीं।
(ग) चिड़ियों ने नया गीत गाया।
(घ) सूरज नया सवेरा लेकर आया था।

3. (क) हरी दूब पर (ख) रात्रि (ग) ओस

4. हरी दुब पर
ओस चमकती
फूलों-से
मोती-सी झरती
गीत नया चिड़ियों ने गाया,
सूरज है नया सवेरा लाया।

5. (क) प्रतिबिंब – छाया (ख) पंछी – पक्षी (ग) उजाला – प्रकाश (घ) दूब – घास
(ङ) सवेरा – सुबह

भाज़ा-बोध–

1. (क) सूरज (ख) पक्षी (ग) सवेरा (घ) ओस
   (ङ) चिड़िया (च) फूल (छ) चहके (ज) दूब
2. सूरज, फूलों, धूप, दूब

करके सीखिए–

(क) हम सूरज देखते हैं। (ख) धूप में खिले फूल देखते हैं।
(ग) पशु-पक्षी देखते हैं। (घ) आसमान में उड़ते पंछी देखते हैं।

अध्याय-6

'रवि का बस्ता'

अभ्यास: (पेज 34)

1. (क) कमरे में बस्ता कराह रहा था।
   (ख) पेंसिल की नोक बार-बार टूट जाती है।
   (ग) रवि ने लंच-बॉक्स को साफ़ किया।

लिखिए–

2. (क) रवि ने स्कूल से आने के बाद अपना बस्ता लापरवाही से मेज़ पर पटक दिया।
   (ख) रवि अक्षर ठीक से नहीं बनाता था।
   (ग) लंच बॉक्स में से अजीब-सी गंध आ रही थी क्योंकि उसमें बचा हुआ खाना बहुत देर से पड़ा हुआ था।
   (घ) रवि की पुस्तक की जिल्द व पृज्ठ फटे हुए थे तथा पुस्तक में जगह-जगह पर लिखकर रवि ने उसे गंदा किया हुआ था।
3. (क) रबड़ (ख) स्केल (ग) पुस्तक (घ) पेंसिल
4. (क) नहीं (ख) नहीं (ग) हाँ (घ) हाँ
5. (क) बाहर – अंदर (ख) दुख – सुख (ग) तेज़ – धीरे (घ) गंदा – साफ़

भाज़ा–बोध–

(क) पेंसिल – पेंसिलें (ख) पुस्तक – पुस्तकें (ग) मेज़ – मेज़ें (घ) डिब्बा – डिब्बे

करके सीखिए–

1. पुस्तक, रबड़, पेंसिल, कॉपी, लंच बॉक्स, पेंसिल बॉक्स, पानी की बोतल, रंग
2. मैं अपनी चीज़ों को प्रयोग करने के बाद उनके स्थान पर वापस रख देता / देती हूँ।
3. (क) मैं हरे या लाल रंग की होती।
   (ख) मैं लंबी तथा पतली होती।
   (ग) मैं बच्चों की कॉपियों में गलतियाँ सुधारती।
   (घ) मैं हमेशा अध्यापिका के हाथों में रहती।
   (ङ) मैं सुंदर लिखावट में लिखती ताकि बच्चे भी अपना कार्य सुंदर लिखावट में करें।
   (च) मैं बच्चों की पुस्तकों में 'शाबाश', अति उत्तम कार्य' जैसे सराहनीय ष्टाब्द लिखती।

अध्याय-7

'हंस का फ़ैसला'

अभ्यास: (पेज 40)

1. (क) घोंसला बुलबुल ने बनाया था।
   (ख) बीज दो वर्ज़ों में एक छोटा-सा पेड़ बन गया।
   (ग) कौआ घोंसले पर अपना अधिकार जमाना चाहता था।

लिखिए–

2. (क) बुलबुल ने धरती में बीज दबा दिया था ताकि वह पेड़ बन जाए।
   (ख) वर्ज़ा और धूप पड़ने पर बीज अंकुर बनकर फूट पड़ा।
   (ग) कौआ बुलबुल से उसका घोंसला व पेड़ लेना चाहता था।
   (घ) हंस ने अपने निर्णय में पेड़ और घोंसला तोड़ने को कहा।

3. (क) बीज ✓ (ख) अंकुर ✓ (ग) पेड़ ✓ (घ) घोंसला ✓
   (ङ) दो ✓

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓
   (ङ) ✓

5. (क) कौए ने बुलबुल से कहा।
   (ख) बुलबुल ने कौए से कहा।
   (ग) हंस ने बुलबुल से कहा।
   (घ) कौए ने हंस से कहा।
   (ङ) हंस ने बुलबुल और कौए से कहा।

भाज़ा–बोध–

1. (क) निर्णय – फ़ैसला (ख) कौआ – काक, काग
   (ग) धरती – पृथ्वी, धरा, वसुंधरा, भूमि, ज़मीन (घ) वर्ज़ा – बारिश, बरसात

2. (क) पौधे – पौधा (ख) अंडे – अंडा (ग) कौए – कौआ (घ) बातें - बात

करके सीखिए–

1. (क) खरगोश सफ़ेद या काले रंग के होते हैं।
   (ख) यह एक पालतू पशु है।
   (ग) ये गाजर व हरी सब्ज़ियाँ बहुत चाव से खाते हैं।
   (घ) इनके बाल बहुत मुलायम होते हैं।
   (ङ) ये हिंसक नहीं होते हैं।
   * विद्यार्थी 'खरगोश' के अतिरिक्त किसी अन्य पशु के बारे में भी लिख सकते हैं।

2. विद्यार्थी इस प्रश्न को स्वयं करेंगे।
   (विद्यार्थी स्वयं कोई कहानी याद करके सुनाएँगे।)

अध्याय-8

'हमारा राज़्ट्रीय पशु-बाघ'

अभ्यास: (पेज 45)

1. (क) हमारे देश का नाम 'भारत' है।
   (ख) भारत का राज़्ट्रीय पशु 'बाघ' तथा पक्षी 'मोर' है।
   (ग) बाघ वनों में रहता है।
   (घ) बाघ के ष्टारीर पर मोटी-मोटी काली धारियाँ बनी होती हैं।

लिखिए–

2. (क) राज़्ट्रीय प्रतीक हमारे देश की संस्कृति, चरित्र और महत्त्व को दर्शाते हैं।
   (ख) बाघ ओजस्वी, पराक्रमी तथा फुरतीला पशु है।
   (ग) बाघ तेज़ी से दौड़कर बड़ी चालाकी से अपना शिकार पकड़ लेता है।
   (घ) हमें बाघ की तरह ओजस्वी और पराक्रमी होना चाहिए।

3. (क) बाघ (ख) अपने देश (ग) सावधान (घ) पक्षी

4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓

भाज़ा–बोध–

1. (क) धीरे (ख) सफ़ेद (ग) अस्वीकार (घ) ष्टाकाहारी
   (ङ) असावधान

2. (क) वीर + ता – वीरता (ख) दौड़ + ता – दौड़ता
   (ग) पकड़ + ता – पकड़ता (घ) खरीद + ता – खरीदता (ङ) सुंदर + ता – सुंदरता

3. (क) प्रतीक – हमारे राज़्ट्रीय प्रतीक हमारी ष्टान हैं।
   (ख) चरित्र – हमें अपने चरित्र पर ध्यान देना चाहिए।
   (ग) निरंतर – हमें निरंतर प्रयास करना चाहिए।
   (घ) तत्पर – दूसरों की सहायता से लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।
   (ङ) पराक्रमी – बाघ एक पराक्रमी जानवर होता है।

करके सीखिए–

(क) बाघ बहुत तेज़ दौड़ता है।
(ख) बाघ एक माँसाहारी जानवर है।
(ग) बाघ चालाकी से अपना शिकार पकड़ता है।
(घ) बाघ हमारा राज़्ट्रीय पशु है।
(ङ) बाघ के ष्टारीर पर काली धारियाँ होती हैं।
* बच्चों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें।

अध्याय-9

'बिल्लियों की लड़ाई'

अभ्यासः (पेज 49)

1. (क) बिल्ली म्याऊँ-म्याऊँ बोलती है।
   (ख) बिल्लियों की रोटी को बंदर बाँटने लगा।
   (ग) नहीं, हमें आपस में कभी झगड़ना नहीं चाहिए।

लिखिए–

2. (क) बिल्लियाँ काले और भूरे रंग की थीं।
   (ख) बिल्लियों में रोटी खाने को लेकर लड़ाई हुई थी।
   (ग) लड़ाई का फ़ैसला बंदर ने किया था।
   (घ) इसलिए कहता हूँ भाई,
   तुम न करना कभी लड़ाई।

3. लिए तराज़ू बैठे बंदर भाई,
   तोड़-तोड़ सब रोटी खाई।
   इसलिए कहता हूँ भाई,
   तुम न करना कभी लड़ाई।

4. (क) खूब – अत्यधिक (ख) लड़ाई – झगड़ा (ग) सारी – पूरी
   (घ) तराज़ू – तोलने का यंत्र

भाज़ा–बोध–

1. (क) बिल्लियाँ (ख) अनेक (ग) रोटियाँ (घ) लड़ाइयाँ

2. (क) मिट्टी – भूरी (ख) सूरज – लाल (ग) पत्ती – हरी (घ) आसमान – नीला
(ङ) दूध– सफ़ेद (च) भैंस – काली

3. (क) म्याऊँ-म्याऊँ करती है। (ख) कुकडूँ-कूँ करता है।
(ग) काँव-काँव करता है। (घ) हिनहिनाता है।

4. (क) वानर – बंदर (ख) स्वर – आवाज़ (ग) झगड़ा – लड़ाई (घ) पूरी – सारी

करके सीखिए–

1. (क) यह एक बगीचे का चित्र है।
(ख) बगीचे में कुछ बच्चे मदारी और बंदर का खेल देख रहे हैं।
(ग) बंदर डमरू की आवाज़ पर नाच रहा है।
(घ) सभी बच्चे बहुत खुश हैं।
(ङ) बंदर ने रंग-बिरंगे कपड़े पहने हुए हैं।
(च) काश! मैं भी वहाँ होता तो बहुत मज़ा आता।

अध्याय-10

'ऊँट का कूबड़'

(केवल पठन हेतु)

अध्याय-11

'बीरबल की खिचड़ी'

अभ्यास: (पेज 58)

1. (क) अकबर के दरबार में एक गरीब ब्राह्मण सहायता माँगने आया था।
(ख) ब्राह्मण को सारी रात यमुना नदी के ठंडे जल में खड़ा रहना पड़ा था।
(ग) गरीब ब्राह्मण की मदद बीरबल ने की थी।

लिखिए–

2. (क) ब्राह्मण अकबर के दरबार में अपनी बेटी की ष्टादी के लिए धन माँगने आया था।
(ख) अकबर ने ब्राह्मण को पूरी रात यमुना नदी के ठंडे जल में खड़ा रहने के लिए कहा था।
(ग) अकबर ने ब्राह्मण से कहा कि वह ठंडे जल में खड़ा हो पाया क्योंकि महल के चिरागों से उसे गरमाहट मिल रही थी। इसलिए उसे कोई इनाम नहीं मिलेगा।
(घ) बीरबल धीमी आँच पर खिचड़ी पका रहे थे।
(ङ) हमें सीख मिलती है कि मुसीबत का हल बुद्धिमानी और चतुराई से निकालें जैसे बीरबल ने परेशानी का हल निकाला।

3. (क) धन की (ख) मदद (ग) गरीब ब्राह्मण (घ) खिचड़ी

4. (क) ब्राह्मण ने अकबर से कहा।
(ख) अकबर ने ब्राह्मण से कहा।
(ग) सिपाही ने अकबर से कहा।
(घ) बीरबल ने अकबर से कहा।

5. (क) अकबर – बादशाह (ख) ब्राह्मण – गरीब
(ग) बीरबल – खिचड़ी (घ) चिराग – महल

6. (क) अवश्य (ख) पुरस्कार (ग) तुम्हारी
(घ) ब्राह्मण (ङ) एहसास

भाज़ा–बोध–

1. (क) ष्टादियाँ (ख) बेटियाँ (ग) रातें (घ) डालें
2. (क) बादशाह – राजा, नृप (ख) रात – रात्रि, निशा, रजनी
   (ग) बेटी – पुत्री, तनुजा, नन्दिनी (घ) जल – पानी, नीर, अंबु

करके सीखिए–

* विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

अध्याय-12

'कदंब'

अभ्यास: (पेज 62)

1. (क) कदंब का पेड़ कवयित्री ने लगाया था।
   (ख) कवयित्री पेड़ की ष्टाखाओं पर चढ़ती है, इसकी छाया में बैठकर पढ़ती है और सावन में इसकी ष्टाखाओं पर झूला डालना चाहती है।
   (ग) मैं अपने जन्मदिन पर मंदिर जाता हूँ, बड़ों का आशीर्वाद लेता हूँ, नए कपड़े पहनता हूँ, केक काटता हूँ और दोस्तों व परिवार के साथ बाहर घूमने जाता हूँ।
   * बच्चों के विचार भिन्न हो सकते हैं।

लिखिए–

2. (क) कवयित्री ने पौधे को पानी और खाद दी थी।
   (ख) कवयित्री को पौधा उसके जन्मदिन पर मिला था।
   (ग) कवयित्री पौधे की ष्टाखाओं पर झूलती है तथा उसकी छाया में बैठकर पढ़ती है इसलिए वह बहुत खुश है।
   (घ) जी हाँ, क्योंकि ये हमें तथा अन्य जीवों को जीवन देते हैं।
3. (क) एक नन्हा-सा पौधा ✓ (ख) खाद और पानी ✓
   (ग) पापा ने ✓ (घ) सावन ✓
4. बड़े मज़े से अब मैं <u>इसकी</u>,
   <u>ष्टाखाओं</u> पर चढ़ जाता हूँ।
   घंटों-घंटों इसकी <u>ष्टीतल</u>
   <u>छाया</u> में <u>अब मैं पढ़ता हूँ</u>।
5. (क) पाला-पोसा – देखभाल की (ख) मज़े – आनंद (ग) ष्टाखा – डाली
   (घ) ष्टीतल – ठंडी (ङ) नन्हा – छोटा
6. (क) ष्टाखाओं (ख) मैंने (ग) कदंब
   (घ) में (ङ) चाहूँ

भाज़ा–बोध–

1. (क) पेड़ – वृक्ष, तरु (ख) पापा – पिताजी (ग) पानी – जल, नीर
   (घ) ष्टाखा – डाल (ङ) ष्टीतल – ठंडा
2. (क) नन्हा – नन्हे (ख) बगीचा – बगीचे (ग) लड़का – लड़के
   (घ) घंटा – घंटे (ङ) ष्टाखा – ष्टाखाएँ
3. (क) कदंब – मेरे घर के आँगन में कदंब का एक वृक्ष है।
   (ख) पेड़ – पेड़ हमें जीवन देते हैं।
   (ग) आँगन – हमारा आँगन बहुत बड़ा है।
   (घ) पानी – पौधों को हर दिन पानी देना चाहिए।
   (ङ) खाद – पौधों में खाद भी डालनी चाहिए।

करके सीखिए–

1. (क) फल मिलते हैं। (ख) फूल मिलते हैं। (ग) प्राण वायु (ऑक्सीजन) मिलती है।
   (घ) लकड़ी मिलती है। (ङ) ताज़ी हवा व छाया मिलती है।
2. विद्यार्थी स्वयं कोई कविता याद करके उसकी पंक्तियाँ पुस्तक में लिखेंगे।

अध्याय-13

'पौधों का महत्व'

अभ्यास: (पेज 67)

1. (क) पेड़-पौधे पर्यावरण का अभिन्न अंग हैं।
   (ख) पेड़-पौधे मनुज़्य जाति के सच्चे मित्र होते हैं।
   (ग) जिस जगह पर पेड़ अधिक होते हैं, वहाँ वर्ज़ा अधिक होती है।
   (घ) पेड़-पौधे प्रकृति की अनमोल देन हैं।

लिखिए–

2. (क) पेड़-पौधों के साथ नदियों, पक्षियों, सूर्य, चंद्रमा का घनिज़्ठ संबंध होता है।
   (ख) पेड़-पौधों से हमें ऑक्सीजन, खाना, लकड़ी, कपड़े, दवाइयाँ, फल और सब्ज़ियाँ मिलती हैं।
   (ग) ष्टाहरों में पार्क न होते तो लोगों को दूज़ित वातावरण में रहना पड़ता।
3. (क) मित्र (ख) कज़्ट (ग) सजावट के लिए (घ) पेड़-पौधे
4. (क) घनिज़्ठ – संबंध (ख) प्राण – वायु (ग) भवन – निर्माण (घ) इमारती – लकड़ी
   (ङ) अनमोल – देन
5. (क) पेड़-पौधे मनुज़्य जाति – के सच्चे मित्र हैं।
   (ख) इनसे हमें पहनने के लिए – कपड़े मिलते हैं।
   (ग) पेड़-पौधे वर्ज़ा लाने में – सहायक होते हैं।
   (घ) पेड़-पौधे प्रकृति – की अनमोल देन हैं।
   (ङ) पेड़-पौधे वातावरण को – ष्टुद्ध करते हैं।

भाज़ा–बोध–

1. (क) दवाई – दवाइयाँ (ख) नदी – नदियाँ (ग) बूटी – बूटियाँ (घ) लकड़ी – लकड़ियाँ
2. (क) पेड़ – वृक्ष, तरु (ख) वायु – हवा, पवन
   (ग) धरती – ज़मीन, धरा (घ) फूल – पुज़्प, सुमन, कुसुम
3. र = र् + अ
   इमारत <u>प्यार</u> <u>वातावरण</u> <u>परस्पर</u>
   ◌ = र् + ◌
   वर्ज़ा <u>पर्यावरण</u> <u>सूर्य</u> <u>निर्माण</u>
   ◌ = र् + अ
   प्रकृति <u>ग्रहण</u> <u>प्राण</u> <u>प्राप्त</u>
   * बच्चे पाठ्य-पुस्तक में से 'र' के उचित रूप वाला कोई भी ष्टाब्द लिख सकते हैं।

करके सीखिए–

इस प्रश्न का उत्तर बच्चे स्वयं करेंगे।

अध्याय-14

'गुब्बारेवाला'

अभ्यासः (पेज 74)

1. (क) बूढ़ा व्यक्ति गुब्बारे बेच रहा था।
   (ख) बूढ़े व्यक्ति के घर में अन्न का एक भी दाना नहीं था।
   (ग) अचानक बूढ़े व्यक्ति को एक मोटरकार आती हुई दिखाई दी।
   (घ) नेहरू जी ने गुब्बारेवाले को बीस रुपये दिए थे।

लिखिए–

2. (क) बूढ़ा व्यक्ति सड़क किनारे गुब्बारे बेच रहा था।
   (ख) ''गुब्बारे ले लो गुब्बारे', रंग-बिरंगे गुब्बारे। आओ बच्चो! आओ भैया! नीले-पीले गुब्बारे, प्यारे-प्यारे गुब्बारे।''
   (ग) गुब्बारेवाले के माथे पर चिंता की रेखाएँ दिखाई दे रही थीं।
   (घ) मोटरकारवाले सज्जन व्यक्ति पंडित 'जवाहरलाल नेहरू' थे।
   (ङ) 'बालदिवस' चौदह नवंबर को मनाया जाता है।
3. (क) सड़क किनारे (ख) एक भी नहीं (ग) दुर्बलता के कारण (घ) बाल दिवस
4. (क) सड़क किनारे बूढ़ा व्यक्ति – गुब्बारे बेच रहा था।
   (ख) बूढ़ा सोचने लगा कि – मेरे सारे गुब्बारे बिक गए।
   (ग) साहब मेरे पास – छुट्टे पैसे नहीं हैं।
   (घ) बूढ़े की खुशी का – ठिकाना न रहा।
5. (क) गुब्बारे (ख) व्यक्ति (ग) दुर्बलता (घ) बूढ़े
   (ङ) पसीना (च) ठिकाना (छ) परेशान (ज) नेहरू
   (झ) सज्जन (ञ) जन्मदिन

भाज़ा–बोध–

1. (क) <u>बेच रहा था</u>। (ख) <u>लगा रहा था</u>। (ग) <u>सोना पड़ेगा</u>। (घ) <u>दे</u>
   (ङ) <u>बैठकर चले गए</u>।
2. (क) सड़क – मार्ग / रास्ता (ख) सुबह – सवेरा / प्रातःकाल
   (ग) ष्टाम – संध्या / सायंकाल (घ) घर – गृह / मकान
   (ङ) भगवान – ईश्वर / परमात्मा
3. (क) सुबह – ष्टाम (ख) आशा – निराशा (ग) सज्जन – दुर्जन
   (घ) एक – अनेक (ङ) खुश – नाखुश

करके सीखिए–

1. पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गाँधी, अन्ना हजारे
2. (क) मेरा प्रिय नेता भगत सिंह है। (ख) उन्होंने देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण दे दिए।
   (ग) वे बहुत बहादुर थे। (घ) उनके जीवन पर कई पुस्तकें लिखी गई हैं।
   (ङ) मैं उनके जैसा बनना चाहता / चाहती हूँ।
   * बच्चे किसी अन्य नेता के बारे में भी लिख सकते हैं।

अध्याय-15

'नमक का महत्त्व'

अभ्यासः (पेज 81)

1. (क) राजा जन-सेवा और राज-काज में बहुत निपुण था।
   (ख) राजा की तीन रानियाँ थीं।
   (ग) राजा बड़ी रानी की बात से दुखी होकर साधु बनने चले गए।
   (घ) राजा ने छोटी रानी को मिज़्ठान की तरह प्रिय बताया।
   (ङ) सबने महारानी के चरण छूकर उनका आशीर्वाद लिया।

लिखिए–

2. (क) राजा से पूछा गया कि वे तीनों रानियों में से किसको अधिक प्रेम करते हैं।
   (ख) राजा ने कहा, ''छोटी रानी उन्हें मिठाई, मँझली रानी उन्हें पकवान और बड़ी रानी उन्हें भोजन में नमक की भाँति प्रिय है।''
   (ग) जवाब सुनकर छोटी और मँझली रानी खुश हो गईं परंतु बड़ी रानी नाराज़ हो गई।
   (घ) राजा ने कहा, ''यदि आप दरवाजा नहीं खोलेंगी, तो मैं साधु बन जाऊँगा।''
   (ङ) रानी ने कहा, ''जो आपको प्रिय हो उसी से बात कीजिए, मुझसे दूर चले जाइए।''

3. (क) निपुण (ख) राजा (ग) मिज़्ठान्न (घ) माता
   (ङ) आशीर्वाद

4. (क) तीन ✓ (ख) बड़ी वाली ✓ (ग) महारानी ने ✓

भाज़ा–बोध–

1. (क) गरम – ठंडा (ख) राजा – रंक (ग) पाताल – आकाश (घ) प्रश्न – उत्तर
   (ङ) बूढ़ा – युवा / जवान (च) युवा – बूढ़ा (छ) रात – दिन (ज) प्रसन्न – अप्रसन्न

2. (क) गंगा-तट पर मेला लगा था। (ख) बगीचे में बड़ी चहल-पहल थी।
   (ग) रेखा आज विद्यालय नहीं आएगी। (घ) चित्र सुंदर था।
   (ङ) कल पूरे देश में गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा।
   या
   कल देश में गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा।

3. (क)

उप + युक्त = उपयुक्त	बद + तमीज = बदतमीज
उप + कथा = उपकथा	बद + सूरत = बदसूरत
उप + करण = उपकरण	बद + किस्मत = बदकिस्मत
उप + कर्ता = उपकर्ता	बद + बू = बदबू
उप + कार = उपकार	बद + नाम = बदनाम
उप + चार = उपचार	बद + नसीब = बदनसीब
सु + कर्म = सुकर्म	सु + गम = सुगम
सु + यश = सुयश	सु + शिक्षित = सुशिक्षित
सु + योग्य = सुयोग्य	सु + ष्टील = सुशील

   (ख)

वान = धन + वान = धनवान	इक = धर्म + इक = धार्मिक
= रूप + वान = रूपवान	= वर्ज़ + इक = वार्ज़िक
= बल + वान = बलवान	= प्रति + एक = प्रत्येक
= पहल + वान = पहलवान	= प्रथम + इक = प्राथमिक

करके सीखिए–

1. जी हाँ, मैं अपना हर निर्णय स्थिति को ठीक प्रकार से समझकर लेती/लेता हूँ। जल्दी में लिए गए निर्णय हमेशा मुसीबत में डाल देते हैं, जिससे हमारा व हमारे मित्रों को बहुत नुक्सान होता है।
2. यदि मैं बड़ी रानी की जगह होता/होती तो मैं राजा से नाराज होने की जगह उनसे उनके निर्णय का कारण पूछती/पूछता ताकि हमारे आपस के रिश्ते खराब न होते तथा कोई भी किसी ष्टांका में न रहता।
3. * (यह उत्तर बच्चे स्वयं उनके द्वारा सुनी हुई कोई राजा-रानी की कहानी याद करके लिखेंगे।) उदाहरण–

   एक राजा था। उसे अपनी बेटी से बहुत प्यार था। उसकी बेटी का नाम फूलकुमारी था। जब फूलकुमारी हँसती थी तब राजा के बगीचे में खिले फूल खूब झूमते थे। खरगोश, चिड़िया व अन्य जानवर भी बहुत खुश हो जाते थे। एक बार राजा ने फूलकुमारी को डाँट दिया। फूलकुमारी उदास हो गई। उसके उदास होते ही सभी फूल मुरझा गए व सभी जानवर चुपचाप बैठ गए। चिड़ियों ने चहचहाना बंद कर दिया। राजा ने फूलकुमारी को हँसाने की बहुत कोशिश की पर वह नहीं हँसी। एक दिन राजा ने एक जोकर को बुलाया तथा उसे कहा कि अगर तुम मेरी बेटी को हँसा दोगे तो मैं तुम्हें मुँह माँगा इनाम दूँगा। जोकर ने फूलकुमारी को कई करतब दिखाए व उसे हँसा दिया। इसके बाद राजा ने जोकर को बहुत सारा धन दिया। इसके बाद राजा ने उसे कभी नहीं डाँटा।
4. बच्चे 'पकवान' और 'मिज़्ठान्न' के चित्र स्वयं चिपकाएँगे।

   पकवान– राजमा चावल, बिरयानी

   मिज़्ठान– जलेबी, रसगुल्ले, बरफ़ी

अध्याय-16

'बचत की आदत'

अभ्यासः (पेज 89)

1. (क) प्रिया एक गाँव में रहती थी।
   (ख) प्रिया की सहेली का नाम नेहा था।
   (ग) गोपी चाचा प्रिया के घर रबड़ का पेड़ काटने तथा उससे दूध निकालने का काम करते थे।

लिखिए–

2. (क) प्रिया के पिताजी ने घर के पास रबड़ के पेड़ लगाए थे ताकि उन्हें अतिरिक्त आमदनी हो जाए।
   (ख) प्रिया ने अपनी सहेली नेहा के पास नई साइकिल देखी थी इसलिए उसका मन भी साइकिल लेने का हुआ।
   (ग) प्रिया ने अपने द्वारा जमा किए हुए रुपये चाचा के इलाज के लिए दे दिए। यह देखकर उसके माता-पिता को उसपर गर्व हुआ।
   (घ) पिताजी ने पेड़ काटने का कार्य स्वयं करना ष्टुरू किया ताकि गोपी को दिए जाने वाले रुपये बचाए जा सकें और प्रिया की नई साइकिल खरीदी जा सके।
   (ङ) इस कहानी से हमें बचत करने की आदत को अपनाने की शिक्षा मिलती है।
3. (क) लिपिक (ख) साइकिल (ग) एक हज़ार रुपये (घ) साइकिल (ङ) चाचा
4. (क) पापा ने प्रिया से (ख) प्रिया ने मम्मी से
   (ग) प्रिया ने मम्मी से (घ) मम्मी ने प्रिया से (ङ) प्रिया ने पापा से

भाज़ा-बोध–

1. (क) बहुवचन (ख) एकवचन (ग) एकवचन (घ) बहुवचन
   (ङ) एकवचन (च) एकवचन (छ) बहुवचन (ज) बहुवचन
2. (क) वेतन = व् + ए + त् + अ + न् + अ
   (ख) घर = घ् + अ + र् + अ
   (ग) दूध = द् + ऊ + ध् + अ
   (घ) इलाज = इ + ल् + आ + ज् + अ
   (ङ) दुकान = द् + उ + क् + आ + न् + अ

3.

	संज्ञा	सर्वनाम
(क)	प्रिया, माता-पिता	उसकी
(ख)	राहुल, पापा, रुपये	उसे
(ग)	रिया, चाचा	तुम्हारे
(घ)	ध्रुव, समझदारी, गर्व	उन्हें
(ङ)	सुहानी	हमें

करके सीखिए–

मैं अपने जमा किए गए पैसे मेरी माँ द्वारा दी गई छोटी सी गुल्लक में रखती/रखता हूँ। उन पैसों से मैं अपने दोस्तों तथा माता-पिता के लिए उनके जन्मदिन पर उपहार खरीदता/खरीदती हूँ। कभी-कभी उन पैसों से मैं कैंटीन से खाने का सामान जैसे– समोसे, आइसक्रीम या चॉकलेट भी ले लेता/लेती हूँ। इन पैसों से मैं कभी-कभी रंग भी खरीद लेता/लेती हूँ तथा ड्रॉइंग की कॉपी में सुंदर-सुंदर चित्र बनाता/बनाती हूँ।

* बच्चों के विचार भिन्न हो सकते हैं।

अध्याय-17 (केवल पढ़ने के लिए)

'घमंडी घोड़ा'

अभ्यास: (पेज 95)

धोबी, घोड़ा, गधा, गधे, गट्ठे, घोड़े, गधा, घोड़े, गधा, पैर, सड़क, धोबी, पानी, गट्ठे, घोड़े, पैर, गधे, घर

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com